



**CLASS: 3**  
**SUBJECT : HINDI)**  
**CHAPTER NAME & NO) पाठ - 14 बगीचे का घोंघा**  
**SUB –TOPIC- प्रस्तावना आदर्श पठन , विश्लेषण**

**CHANGING YOUR TOMORROW**







## चिंतन-मनन

हम जहाँ रहते हैं, उसके अलावा भी ऐसी बहुत-सी चीजें हैं, जिनके बारे में हम नहीं जानते। उन्हें जानने के लिए हमें उस दुनिया को देखना पड़ेगा। बाहर से देखने पर वह दुनिया हमें आश्चर्यचकित कर देगी।

बहुत समय पहले की बात है। एक बगीचे में एक घोंघा रहता था। जानते हैं घोंघा कैसा होता है?

बगीचा बहुत छोटा और सुंदर था। घोंघे ने अपनी सारी ज़िंदगी उसी बगीचे में बिताई थी। जितने धीमे-धीमे वह चलता था, उसे बगीचे के एक छोर से



दूसरे छोर तक पहुँचने में पूरे दो दिन लगते थे। इतने समय तक वहाँ रहने की वजह से घोंघा बगीचे का कोना-कोना पहचान गया था। पर कभी-कभी घोंघे को लगता, इस बगीचे के बाहर क्या होगा? कैसी होती होगी बाहर की दुनिया?

बगीचे की दीवार में एक छेद था। घोंघा रोज़ उस छेद को देखता। उसे याद आता कि उसकी माँ उससे कहा करती थीं, “अगर तुमने ज़्यादा बदमाशी की तो मैं तुम्हें इस छेद से बाहर की दुनिया में धकेल दूँगी।”

घोंघा कुछ और दिन सोचता रहा, फिर उसने तय कर लिया, “मैं बाहर जाकर देखूँगा कि दुनिया कैसी है।”

यह सोचकर उसने अपना सामान अपने शंख में बाँध लिया। अगले दिन सूरज निकलने के पहले ही घोंघा निकल पड़ा। बगीचा पीछे छोड़ दिया। शायद हमेशा के लिए।

घोंघा छेद में घुसा और जल्दी ही बाहर निकल आया। बाहर आते ही घोंघा चकित रह गया। जितनी दूर तक उसकी आँखें देख सकती थीं उसके सामने बहुत बड़ा, लंबा चौड़ा-सा मैदान था।



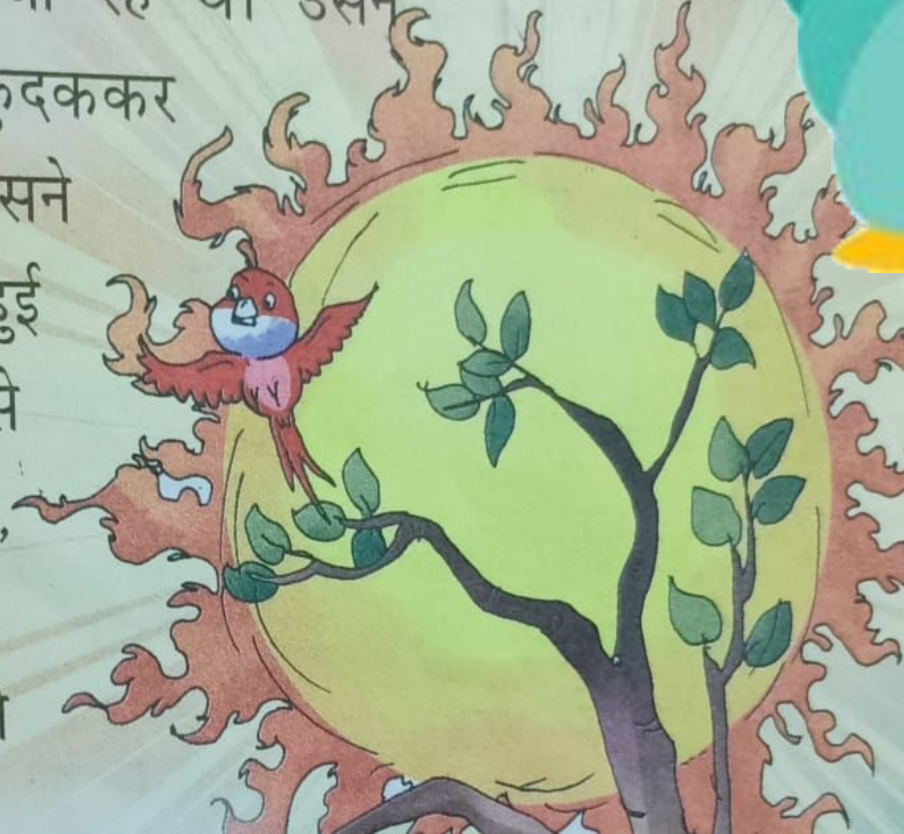
वास्तव में वह बच्चों के खेलने की जगह थी। पर घोंघे ने तो सोचा ही नहीं था कि इतनी बड़ी जगह भी हो सकती है। “वाह! दुनिया सचमुच कितनी बड़ी है,” घोंघे ने कहा।

उसी समय खड़-खड़ की आवाज़ आई। घोंघे को लगा कि पूरा आकाश ढँक गया है। वह डर के मारे जोर से चिल्लाया, “उई!” फिर वह अपने ऊपर हँसने लगा। उसने देखा कि एक सूखा पत्ता उसके ऊपर आ गिरा था। “वाह, दुनिया तो कितनी मजेदार जगह है” घोंघे ने कहा। वह उस सूखी-भूरी पत्ती के नीचे से बाहर निकल गया।



थोड़ा आगे एक बड़ा-सा पत्थर पड़ा हुआ था। घोंघे को लगा यह जरूर कोई पहाड़ होगा। वह झट-से उस पर चढ़ गया और दुनिया के नज़ारे देखने लगा।

घोंघे ने अपनी जिंदगी में पहली बार लाल चींटों को देखा। वे अपने लंबे-पतले पाँवों से तेज़ी से इधर-उधर आ-जा रहे थे। उसने देखा कि एक गिलहरी फुदक-फुदककर तेज़ी से एक पेड़ पर चढ़ गई। उसने देखा कि दूर एक गेंद लुढ़कती हुई जा रही है और एक कुत्ता जोर से उसके पीछे भाग रहा है। “वाह, दुनिया में सब कुछ कितनी तेज़ी से चलता है” घोंघे ने



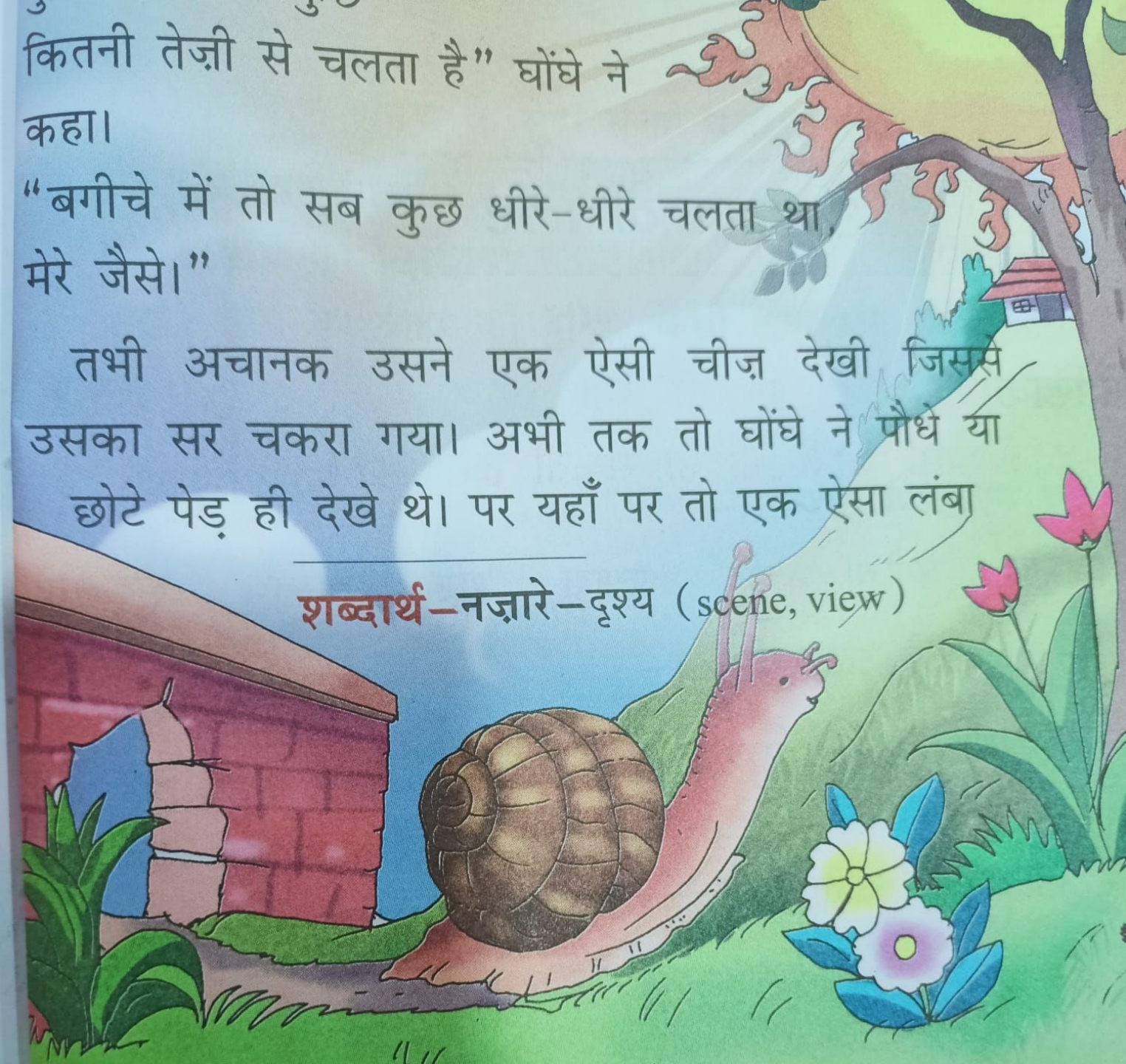


कितनी तेज़ी से चलता है" घोंघे ने कहा।

"बगीचे में तो सब कुछ धीरे-धीरे चलता था, मेरे जैसे।"

तभी अचानक उसने एक ऐसी चीज़ देखी जिससे उसका सर चकरा गया। अभी तक तो घोंघे ने पौधे या छोटे पेड़ ही देखे थे। पर यहाँ पर तो एक ऐसा लंबा

**शब्दार्थ**—नज़ारे—दृश्य (scene, view)



पेड़ था जो पूरे आसमान तक जाता था। बेचारे घोंघे ने कभी खजूर का पेड़ नहीं देखा था।



वहाँ एक और पेड़ था जो इतना बड़ा था कि घोंघा उसके एक छोर से दूसरे छोर तक भी नहीं देख पाता था। बड़ के पेड़ से जो उसका पाला पड़ गया था, इसलिए घोंघे की आँखें आश्चर्य से और भी खुल गईं। फिर थोड़ी और, और भी चौड़ी हो गई। उसने कहा, “वाह, सचमुच दुनिया कितनी अद्भुत जगह है।” घोंघे ने तय कर लिया कि अब तो वह इस दुनिया में ही रहेगा।

### जीवन-सूत्र

- घर से बाहर निकलकर ही संसार की विविधताओं को जाना-समझा जा सकता है।



## अध्ययन के परिणाम

-  पठन कौशल का विकास अच्छे से हो पाना
-  शुद्ध उच्चारण की जानकारी पाना



**THANKING YOU**  
**ODM EDUCATIONAL GROUP**